बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

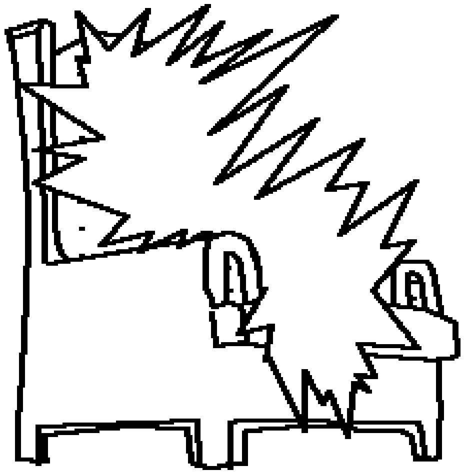

स्वर्ग, परमेश्वर का खूबसूरत घर

लेखक : Edward Hughes

अनुवाद : info@christian-translation.com

व्याख्याकार : Lazarus

रूपान्तरकार : Sarah S.

60 कहानियों में से 60 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

जब यीशु इस धरती पर थे तब उन्होंने अपने अनुयायियों को स्वर्ग के बारे में कहा था। उन्होंने उसे “मेरे पिता का घर” कहा, और कहा कि वहाँ बहुत सारे महल थे। महल एक बहुत ही बड़ा और सुंदर घर होता है। धरती के घरों के अपेक्षा, स्वर्ग बहुत ही बड़ा और सुंदर होता है।

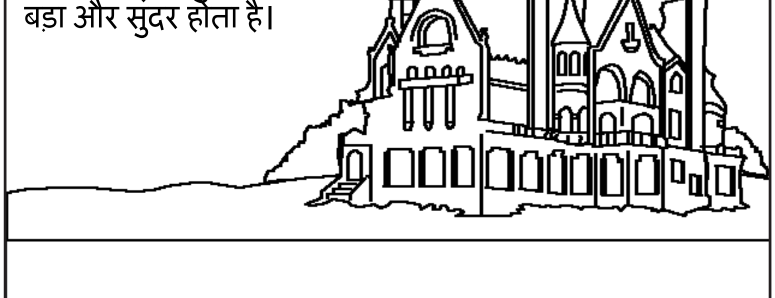

1

यीशु ने कहा, “मैं तुम्हारे लिए एक अच्छे स्थान तैयार करने जाता हूँ। और जैसे ही मैं तुम्हारे लिए एक अच्छा स्थान तैयार कर लूँगा, मैं फिर से आऊँगा और स्वयं ही तुम्हें प्राप्त कर लूँगा।” मृत्यु से जागने के पहले, यीशु स्वर्ग गया था। जबकि उनके अनुयायी देख रहे थे, कि बादलों द्वारा यीशु को समा लिया गया।

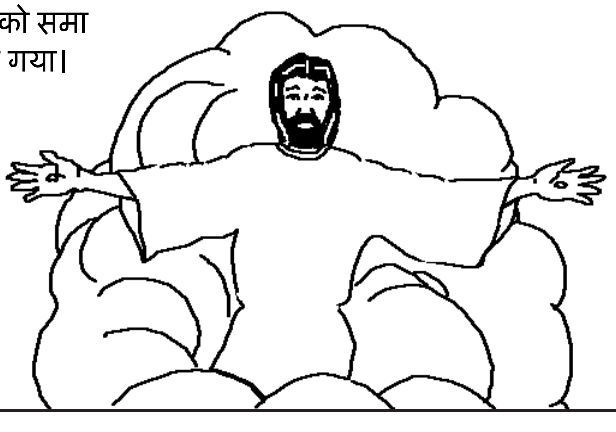

2

उसके बाद, उनके वापस आने और उनको पाने के लिए ईसाइयों ने परमेश्वर के वचन को याद किया। यीशु ने कहा कि वह जल्द ही वापस आएगा, कम-से-कम जब भी आशा की जाएगी। किन्तु उन ईसाइयों के संबंध में क्या जो उनके आने से पहले ही मर जाय? बाइबिल कहता है कि वह सीधे यीशु से जा मिलेगा। शरीर की अनुपस्थिति में परमेश्वर की उपस्थिति रहेगी।

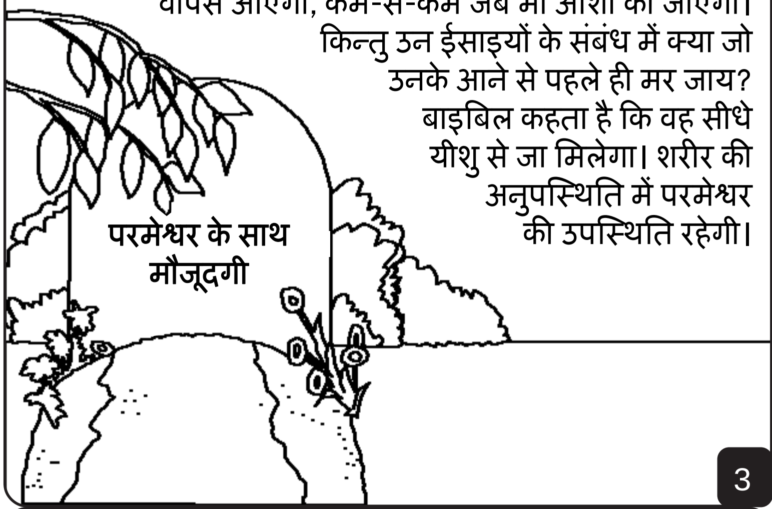

3

बाइबिल की अंतिम किताब, का रहस्योदघाटन, हमें कहता है कि स्वर्ग कितना अद्भुत है। एक खास मार्ग से सबसे आश्चर्यजनक चीज यह है कि, स्वर्ग परमेश्वर का घर है। परमेश्वर सर्वव्यापी हैं, किनतु उनका राजसिंहासन स्वर्ग में है।

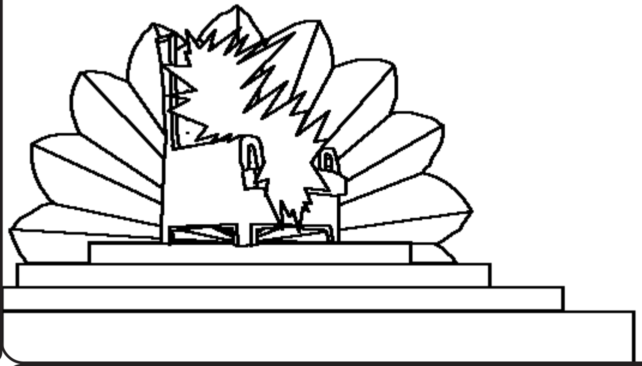

4

देवदूत तथा अन्य स्वर्गवासी स्वर्ग में परमेश्वर को पूजते हैं। इस तरह परमेश्वर के जितने भी आदमी मर चुके हैं और स्वर्ग जा चुके हैं। वे सब परमेश्वर की प्रार्थना के लिए एक खास गीत गाते हैं।

5

जो गीत वे गाते हैं उनमें से एक गीत के कुछ शब्द यहाँ है: **तुम गुणवान हो, तुमने हम सबों को मुक्ति दिलाया, परमेश्वर के द्वारा, प्रत्येक राष्ट्र और जनजाति के लिए अपने खून बहाकर, और हमें हमारे परमेश्वर के लिए राजा और पादरी बनाया।** (Rev. 5:9)

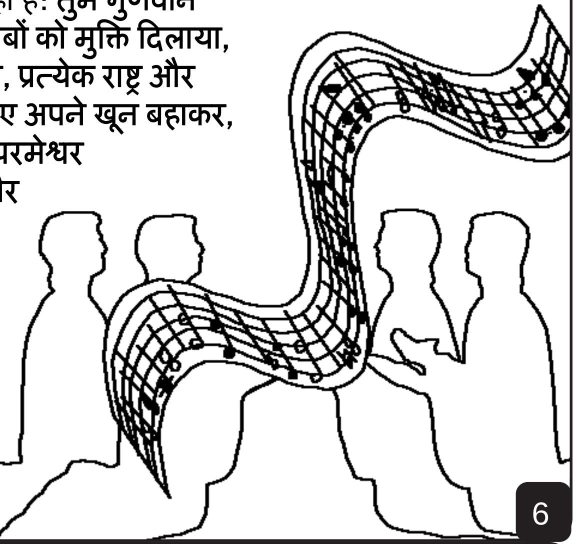

6

बाइबिल के सबसे अंतिम पृष्ठ में स्वर्ग को, “नये येरूशलम” के रूप में वर्णन किया गया है। यह चारों ओर से बहुत, बहुत बड़े दीवारों से घिरा है। यह दीवार स्फटिक से साफ जैस्पर पत्थरों से बना हुआ है।

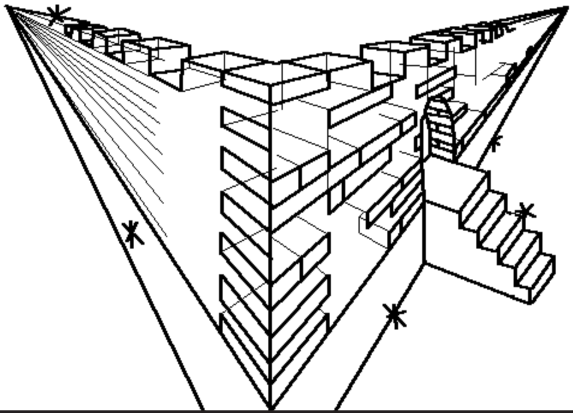

7

बहुत ही सुहावने रंगों से झिलमिलाते हुए इन दीवारों की बुनियाद बहुत ही कीमती पत्थरों और आभूषणों से ढ़ँका हुआ है। प्रत्येक शहर का द्वार एक ही मोती से बना हुआ है।

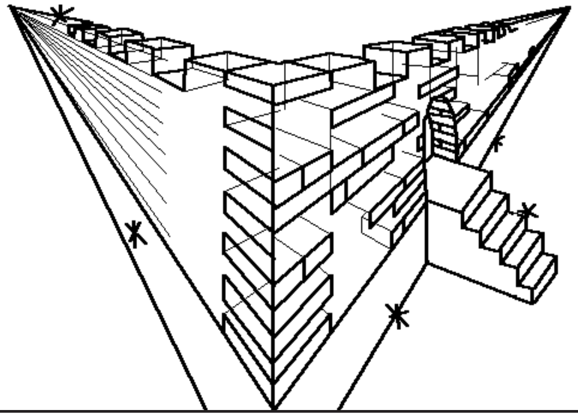

8

यह महान मोतियों का द्वार कभी भी बन्द नहीं होता है। चलो अंदर चलते हैं और देखते हैं.....वाह! स्वर्ग तो अंदर से बहुत ही खुबसुरत है। सारा शहर पारदर्शी शीशे-सा शुद्ध सोने का बना है। यहाँ तक कि गली भी सोने से
बनी हुई है।

9

परमेश्वर के सिंहासन से एक जीवनदायिनी साफ, सुन्दर पानी की नदी बह रही है। नदी के दोनों ओर जीवनदायिनी पेड़ हैं, जो कि पहले-पहल ईडन गार्डेन में पाया गया था। यह पेड़ बहुत ही खास हैं। यह बारह महीने में बारह अलग-अलग प्रकार के फल देते हैं। और इनके जीवनदायिनी पत्ते जनता लिए आरोग्यकर हैं।

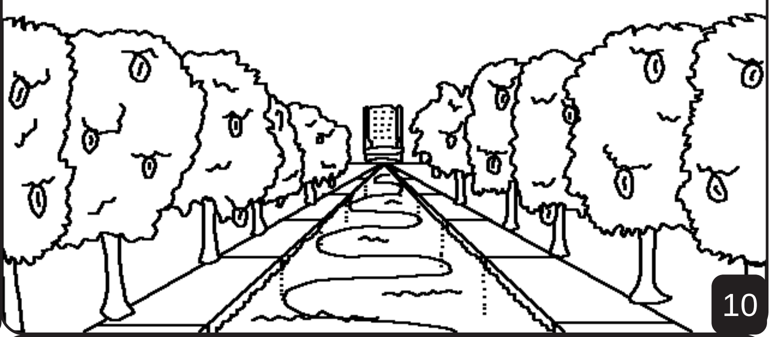

10

स्वर्ग में प्रकाश के लिए सूर्य और चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं है। यहाँ परमेश्वर का गौरव ही अद्भुत प्रकाश भर देता है। यहाँ कभी भी रात नहीं होती।

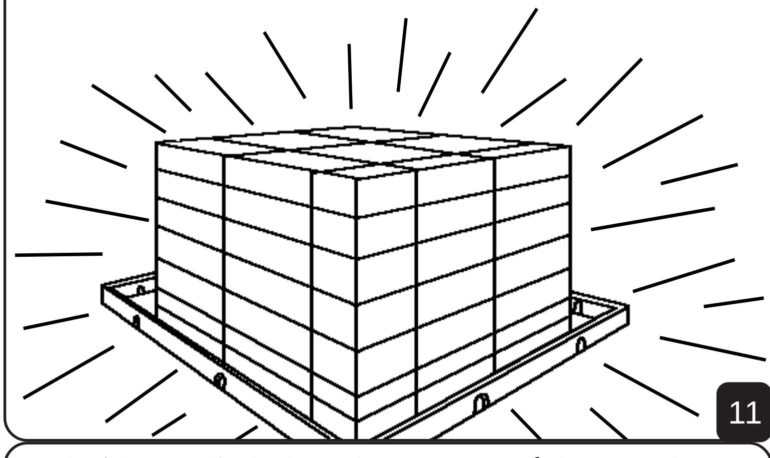

11

यहाँ तक की यहाँ के पशु भी अलग हैं। ये सभी पालतू और दोस्ताना है। भेंड़ और भेड़िया एक ही साथ खाते हैं। यहाँ तक की महाबली शेर भी बैल की तरह पुआल खाते हैं। परमेश्वर ने कहा, “ये हमारे पवित्र पर्वतों को न तो दुःखी और न ही कभी तबाह करेंगे।”

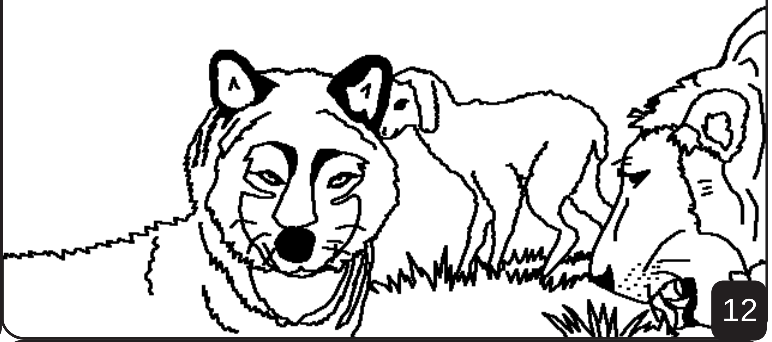

12

हमने जैसे ही चारों ओर देखा तो, पाया कि स्वर्ग से कुछ चीजे गायब है। गुस्से का कोई भी शब्द नहीं सुना गया। न तो कोई स्वार्थी न तो लड़ रहा था।
यहाँ दरवाजे पर कोई ताले नहीं थे, क्योंकि यहाँ स्वर्ग में कोई चोर नहीं था।

13

यहाँ न तो कोई झूठा आदमी, हत्यारा, जादूगर और न ही कमजोर आदमी था। यहाँ स्वर्ग में किसी भी प्रकार का पाप नहीं था।

14

यहाँ स्वर्ग में परमेश्वर के साथ कोई भी आँसू नहीं थे। कभी-कभी अपने जीवन में अत्यधिक दुःखों के कारण परमेश्वर के आदमी चिल्लाता है। स्वर्ग में परमेश्वर उन सबों के आँसू पोंछ देंगे।

15

यहाँ स्वर्ग में, मौत नहीं होती। परमेश्वर के लोग सदा के लिए परमात्मा के साथ रहेंगे। यहाँ न तो अधिक दुःख है, न चिल्लाहट, न दर्द। न बीमारी, न जुदाई, न मृतक्रिया। स्वर्ग में सब कोई परमात्मा के साथ सदा के लिए खुश हैं।

16

सर्वोत्तम, स्वर्ग लड़के और लड़कियाँ (जवान भी) दोनों के लिए है जो यीशु मसीह को मुक्तिदाता के रूप में उसपर विश्वास रखता है और उनको परमात्मा की तरह मानता है। स्वर्ग की एक किताब जो जीवन पर लैम की किताब के नाम से जाना जाता है। यह लोगों के नाम से भरा हुआ है। क्या आप जानते हैं कि इसमे किसके नाम लिखे हुए हैं? उन सभी लोगों का जो यीशु में विश्वास रखते हैं। क्या आपका नाम इसमे है?

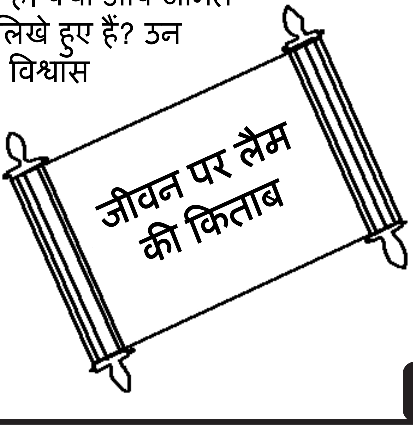

17

स्वर्ग के संबंध में बाइबिल के अंतिम शब्द एक अद्भुत निमंत्रण है। “साहस और दुल्हन कहती है, ‘आओ!’ उसे आने दो जो सुनता है ‘आओ!’ जो प्यासा है उसे आने दो। और जो कोई भी प्यासा है उसे स्वतंत्रतापूर्वक जीवनदायिनी पानी लेने दो।”

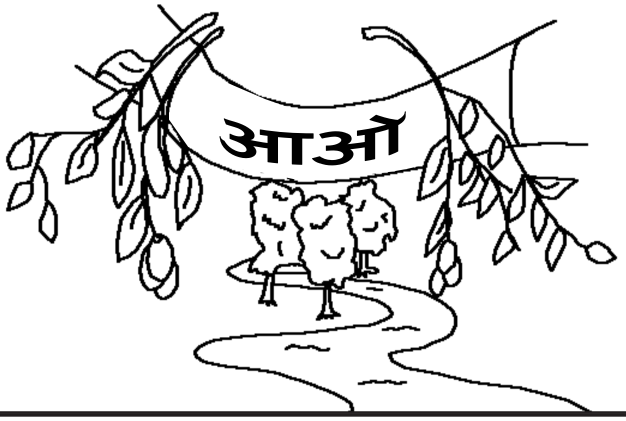

18

स्वर्ग, परमेश्वर का खूबसूरत घर

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

जॉन 14; 2 कॉरिथियन्स 5;
रेवेलेशन 4, 21, 22

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुनः स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुनः जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं. आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.